संस्कृत-अध्यापनस्य

अधिगम-साधनानि

1. दृश्य साधन
2. श्रव्य साधन
3. दृश्य श्रव्य साधन

अधिगम-साधनानि
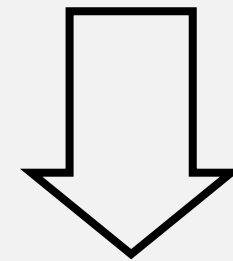
- *अधिगम की परिस्थितियों का सृजन करने तथा अधिगम के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संप्रेषण युक्तियों का चयन किया जाता है, इनको प्रभावशाली बनाने में **दृश्य श्रव्य सहायक सामग्री** के प्रयोग से अधिगम की परिस्थितियों को अधिक प्रभावशाली रूप से उत्पन्न किया जा सकता है और उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति की जा सकती है। दृश्य श्रव्य सामग्री के प्रयोग से छात्र पाठ में अधिक रुचि लेते हैं और सीखने के लिए तत्पर रहते हैं।*
- *दृश्य श्रव्य सामग्री का उपयोग शिक्षण को प्रभावपूर्ण तो बनाता ही है साथ में रोचक भी बनाता है जिसके कारण विषय वस्तु बालकों के लिए स्थाई हो जाती है, क्योंकि बालकों की ज्ञानेंद्रियों को दृश्य श्रव्य-साधन आकर्षित करते हैं, कही गई बात से अधिक महत्व देखी गई वस्तु का होता है, जिसका प्रभाव स्मरणीय और चिरस्थाई होता है।*

अधिगम-साधनानि

उद्देश्य -

- प्राप्त ज्ञान चिरकाल तक बुद्धि में स्थायी रह पाए ।
- छात्रों में पाठ के प्रति उत्सुकता जिज्ञासा रुचि सक्रियता उत्पन्न करना ।
- शिक्षण को स्पष्ट, रुचि पूर्ण एवं आकर्षक बनाना ।

शिक्षण सहायक सामग्री

- दृश्य श्रव्य सामग्री का तात्पर्य शिक्षण के उन साधनों से हैं जिनका प्रयोग करके बालकों की श्रव्य तथा दृश्य ज्ञान इंद्रियों को क्रियाशील किया जा सकता है ताकि वे पाठ के सूक्ष्म से सूक्ष्म तथा कठिन से कठिन प्रकरणों को सफलतापूर्वक समझ जाते हैं।

वर्गीकरण

- **श्रव्य साधन**
- **दृश्य साधन**
- **दृश्य श्रव्य साधन**

श्रव्य साधन

- इनसे केवल सुना ही जा सकता है।

• रेडियो -

यह ऐसा साधन है जो सभी विद्यालयों में उपलब्ध हो सकता है, रेडियो द्वारा संस्कृत भाषण वार्तालाप रूपक गीत आदि की शैली से छात्र परिचित होते हैं तथा उनकी दक्षता बढ़ती है, रेडियो द्वारा शैक्षिक पाठकों का प्रसारण किया जा सकता है, **रेडियो प्रसारण कक्षा में शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक तथा कम खर्चीला है।**

श्रव्य साधन

- इनसे केवल सुना ही जा सकता है।

- **रेडियो, टेपरिकार्डर, ग्रामोफ़ोन / लिंग्वाफोन :**

- **टेपरिकार्डर -** यह एक ऐसा उपकरण है जिसमें ध्वनि को किसी भी समय भर कर पुनः सुन सकते हैं। पठन, उच्चारण, भाषण आदि के आदर्श रूप इसके द्वारा कक्षा में प्रयुक्त किए जाते हैं जिसे सुनकर बालक अनुकरण करते हैं। किसी जटिल पाठ को अध्यापक द्वारा पढ़ाए जाते वक्त टेप द्वारा रिकॉर्ड किया जा सकता है जिसे पुनः सुनकर अच्छी तरह कंठस्थ किया जा सकता है। **सेमिनार, वार्ता, गोष्टी, वाद-विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी रिकॉर्ड करके दोबारा सुना जा सकता है इससे अधिगम स्थाई हो जाता है।**

श्रव्य साधन

- *इनसे केवल सुना ही जा सकता है।*

- **ग्रामोफ़ोन / लिंग्वाफोन** : *ग्रामोफोन तथा लिंग्वाफोन रेडियो की भांति शिक्षण का महत्वपूर्ण उपकरण है ।*

दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- **श्यामपट्ट**
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- यह अध्यापक का **विश्वसनीय मित्र कहलाता** है। यह शिक्षण को सरल एवं प्रभावी बनाता है। इसका प्रयोग मुख्यतः विषय वस्तु को स्पष्ट करने तथा गृह कार्य देने हेतु किया जाता है। श्यामपट्ट उपयोग की सफलता अध्यापक पर निर्भर करती है। आजकल इंक बोर्ड भी आने लगे हैं जो श्यामपट्ट की जगह ले रहे हैं।

दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- **पाठ्यपुस्तक**
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- पाठ्य पुस्तक कक्षा शिक्षण का एक महत्वपूर्ण अंग है।
- यह ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों में विषय वस्तु के प्रति रुचि उत्पन्न करती हैं। पाठ्यपुस्तक के द्वारा शिक्षार्थी पढ़ाई गए पाठ का अभ्यास करते हैं।
- ज्ञान को व्यवस्थित करने में छात्रों के मार्गदर्शन के लिए, पढे हुए पाठ का स्मरण करने के लिए एवं कक्षा शिक्षण के दोष दूर करने के लिए इसका उपयोग होता है।
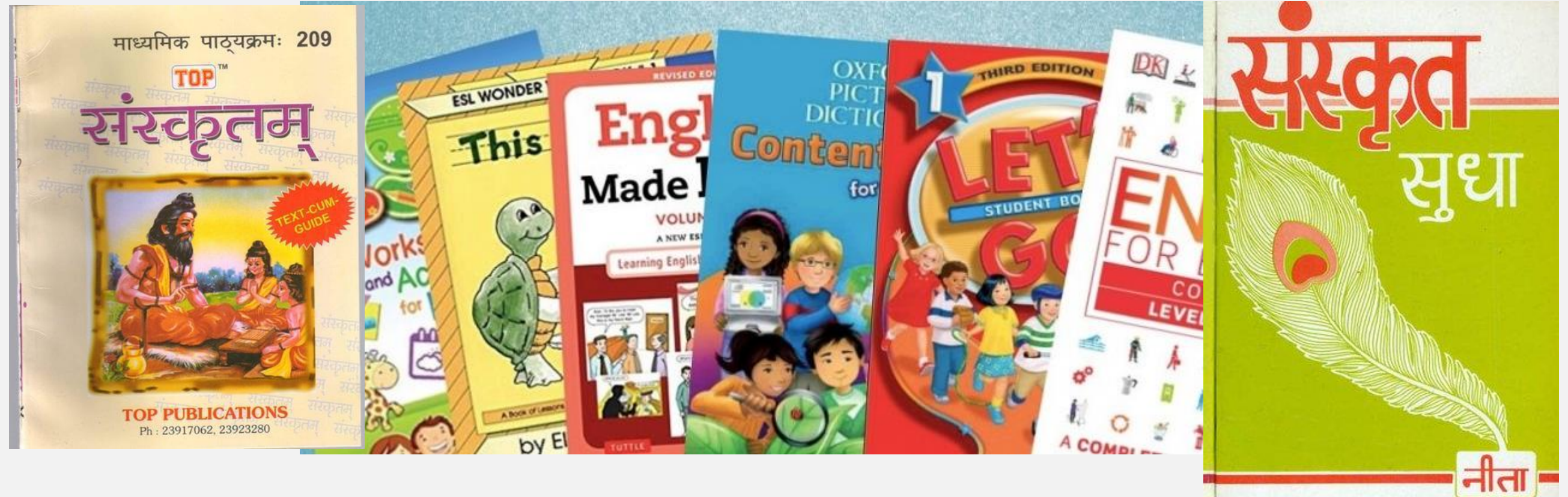
दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- **चित्र**
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- विषय वस्तु से संबंधित चित्र दिखाकर पाठ को रोचक एवं बालकों के लिए सरल बनाया जा सकता है, इसमें किले भवन कला समार्क वस्तुओं के चित्र एवं आदर्श पुरुषों के चित्र भी शामिल हो सकते हैं चित्र बालकों की जिज्ञासा एवं कल्पना शक्ति को बढ़ाने में मदद करते हैं।

दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- **चार्ट**
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- विषय वस्तु में तुलनात्मक अध्ययन में चार्ट का उपयोग करना चाहिए।

1901 में सिर्फ 23 करोड़ थी हमारी जनसंख्या

जनसंख्या मिलियन में

वर्ष	जनसंख्या
1901	238.40
1911	252.09
1921	251.32
1931	278.98
1941	318.66
1951	361.09
1961	439.23
1971	548.16
1981	683.33
1991	846.42
2001	1028.74
2011	1210.19

दैनिक भास्कर

दृश्य साधन
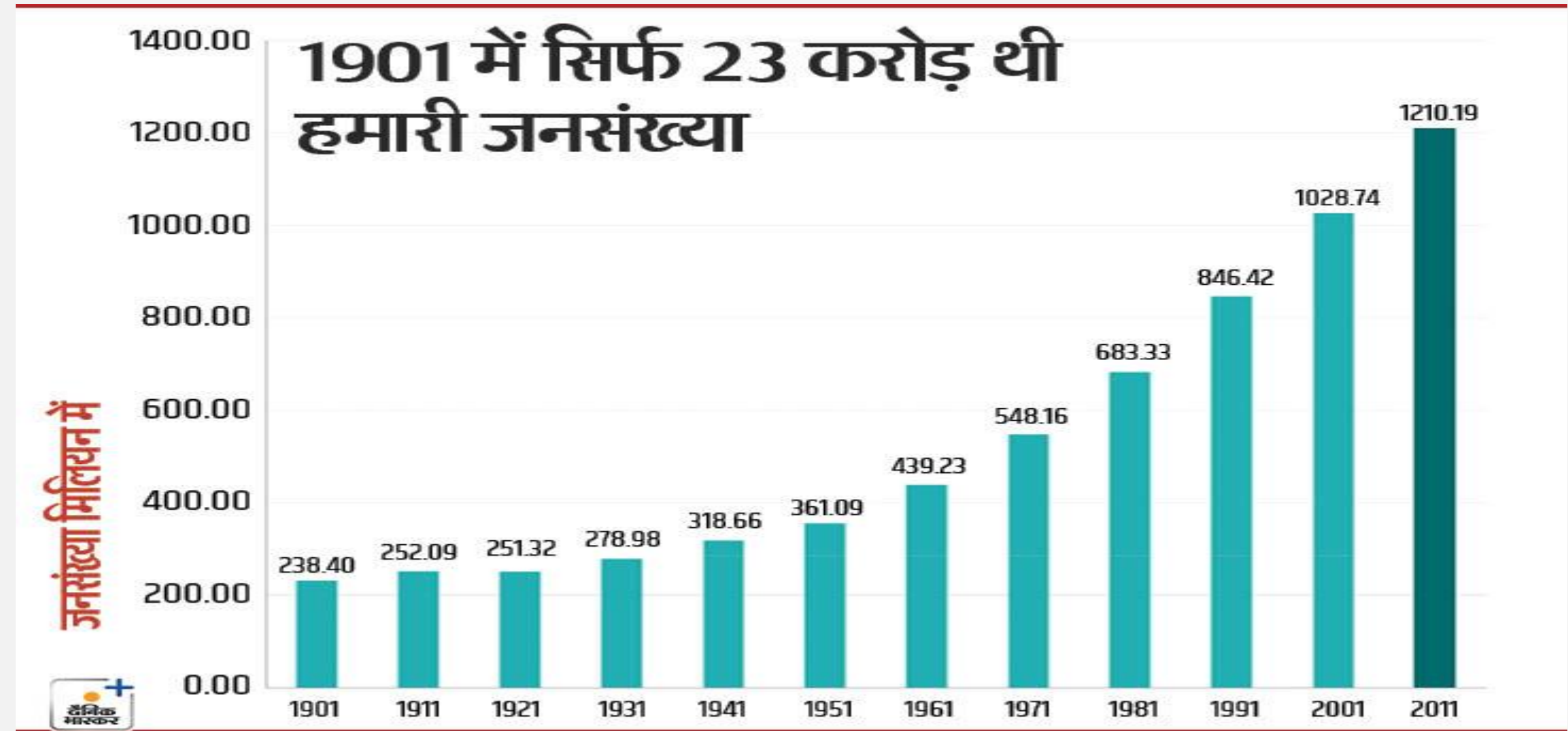
- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- ग्राफ के माध्यम से विभिन्न विषयों के तथ्यों का विवरण प्रस्तुत किया जा सकता है ग्राफ का उपयोग प्रायः गणित विज्ञान भूगोल अर्थशास्त्र आदि विषयों में अधिक किया जाता है।

दृश्य साधन
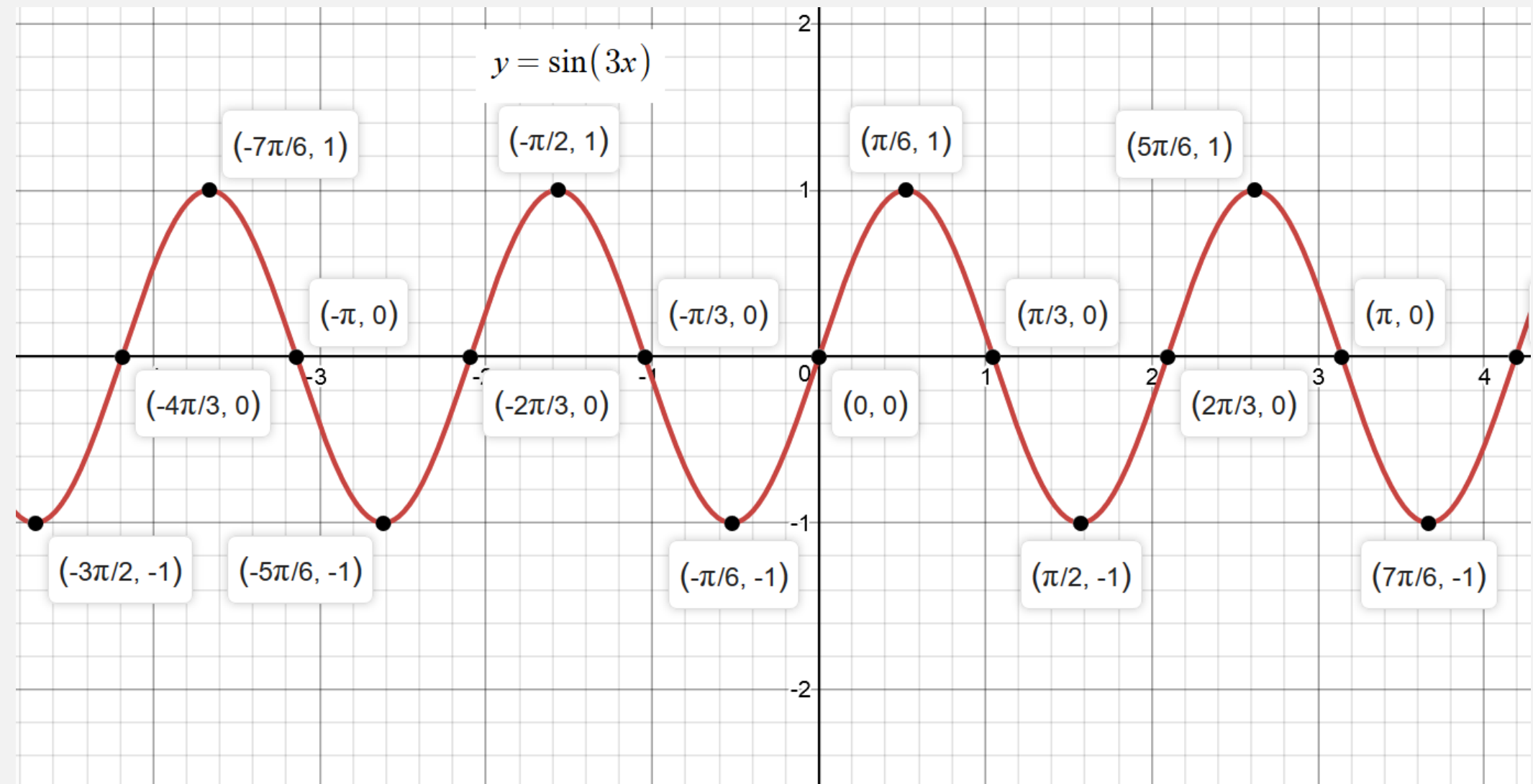
- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- **मानचित्र**
- प्रतिरूप
- पोस्टर

- भाषा शिक्षण में यदि शिक्षक को किसी भौगोलिक या ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को विषय वस्तु से जोड़कर स्पष्ट करना हो तो वहां शिक्षक को मानचित्र की सहायता लेनी चाहिए।

दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- **प्रतिरूप (Model)**
- पोस्टर

- प्रतिरूप या प्रतिमान किसी वस्तु की उपयुक्त एवं सुविधाजनक दृष्टि से की गई नकल होती है। आकार में बड़े होने तथा दूर होने के कारण कई वस्तुओं, स्थलों का कक्षा कक्ष में प्रदर्शन संभव नहीं है। अतः उसके प्रतिरूप पदार्थ अर्थात् एक जैसे दिखने वाले आकार में छोटे प्रतिमान को कक्षा में छात्रों के सामने प्रस्तुत किया जाता है। जैसे- इंडिया गेट, कुतुब मीनार, ताज महल।

दृश्य साधन

- दृश्य का अर्थ है, देखने योग्य।

- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तक
- चित्र
- चार्ट
- ग्राफ
- मानचित्र
- प्रतिरूप
- **पोस्टर**

- विभिन्न व्यक्तियों स्थानों घटनाओं तथा वस्तुओं से संबंधित पोस्टर भी एक उपयोगी सहायक सामग्री है।
- पोस्टर किसी एक ही विचार को केंद्र बिंदु मानकर तैयार किए जाते हैं।

दृश्य श्रव्य साधन

- ✓ टेलीविजन
- ✓ कम्प्यूटर
- ✓ चलचित्र
- ✓ नाटक
- ✓ **स्मार्टफोन**

- संस्कृत भाषा से संबंधित बहुत सारे कार्यक्रम आजकल टेलीविजन
- के माध्यम से प्रसारण किए जाते हैं, विषय वस्तु पर आधारित कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थी विषय का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
- टेलीविजन का प्रयोग रेडियो के स्थान पर भी किया जा सकता है इसके द्वारा हाव भाव के साथ बोलना बातचीत करना भाषण देना कविता पाठ करना अभिनय करना भी सिखाया जा सकता है। ज्ञानवर्धक फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जा सकता है।
- संस्कृत समाचारों के प्रसारण द्वारा पूरी दुनिया की खबरों की जानकारी घर बैठे प्राप्त की जा सकती हैं साथ ही समाचारों से संबंधित चल चित्रों का प्रसारण भी होता है जो की स्मृति को स्थाई बनाता है।

SONY

दृश्य श्रव्य साधन

- ✓ टेलीविजन
- ✓ कम्प्यूटर
- ✓ चलचित्र
- ✓ नाटक
- ✓ स्मार्टफोन

- संस्कृत शिक्षण में कंप्यूटर में हेल्पलाइन प्रयोग की जा सकती है दिल्ली में 'गुरु' तथा पूना में 'लीला' नामक कार्यक्रम का निर्माण हुआ है जो कि सभी भाषाओं में प्रयुक्त किया जा सकता है।
- व्याकरण शिक्षण में कंप्यूटर का उपयोग हो सकता है, जैसे - उच्चारण स्थानों को पढ़ाने के लिए चित्रों द्वारा उच्चारण स्थानों का प्रदर्शन, संधि पढ़ाते समय तालिका प्रदर्शन करने के लिए....
- शिक्षण में कंप्यूटर का उपयोग कर उसे रोचक बनाया जा सकता है।
- महाकाव्य एवं संस्कृत नाटकों पर आधारित लघु चित्र कथाओं के माध्यम से पाठ का प्रस्तुतीकरण किया जा सकता है।

दृश्य श्रव्य साधन

- ✓ टेलीविजन
- ✓ कम्प्यूटर
- ✓ चलचित्र
- ✓ नाटक
- ✓ स्मार्टफोन

- चल चित्र (Movies)
- बालकों को महापुरुषों के जीवन पर आधारित एवं देशभक्ति फिल्में भी दिखाई जा सकती हैं जो बालकों के लिए उपयोगी एवं चरित्र निर्माण वाली हैं।
- बालकों को वास्तविक जीवन के चलचित्र, समाचार आदि दिखाये जा सकते हैं चलचित्र के माध्यम से बालकों को संवाद कौशल का ज्ञान एवं नाटक के तत्वों का परिचय कराया जा सकता है।

दृश्य श्रव्य साधन

इस PDF का Teaching वीडियो देखने के लिए यहां क्लिक करें

- ✓ टेलीविजन
- ✓ कम्प्यूटर
- ✓ चलचित्र
- ✓ नाटक
- ✓ स्मार्टफोन

- नाटक छात्रों के हृदय में रसानुभूति के साथ साथ संस्कृति तथा संस्कारों का भी ज्ञान कराता है। नाटक में श्रव्य काव्य से अधिक रमणीयता होती है । नाटक विषय वस्तु का अभिनय के द्वारा सजीव चित्रण किया जा सकता है।

दृश्य श्रव्य साधन

Click to Join → स्काई एज्युकेयर YouTube चैनल (Sky Educare)

- ✓ टेलीविजन
- ✓ कम्प्यूटर
- ✓ चलचित्र
- ✓ नाटक
- ✓ **स्मार्टफोन**

- शिक्षा में नया आयाम मोबाइल टेक्नोलॉजी जोड़ रही है ।
- अब स्मार्टफोन का जमाना है, जिसका बहुआयामी उपयोग पढ़ने-लिखने और सीखने के तौर-तरीके को भी बदल रहा है. किस तरह से स्मार्टफोन इन कार्यो को अंजाम देता है, एक अध्ययन में पाया गया कि स्मार्टफोन पर पढ़ाई करने से विद्यार्थियों को खुद पढ़ाई करने में मदद मिलती है उन्हें अवधारणाओं को समझने तथा अध्याय को जल्दी खत्म करने में सक्षम बनाती है अतः इसका प्रयोग करके बच्चों के परिणाम सुधारे जा सकते हैं।

इस PDF का Teaching वीडियो देखने के लिए यहां क्लिक करें

शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व

- शिक्षण सहायक सामग्रियों से अभिप्रेरणा मिलती है।
- ये कठिन से कठिन विषय-वस्तु को सरल, स्पष्ट, रुचिकर एवं सार्थक बना देती है।
- ये पठन-पाठन में नवीनता लाती है।
- इनके प्रयोग से समय और शक्ति की बचत होती है।
- ये रटने की प्रवृत्ति को कम करती है।
- ये विद्यार्थियों को पुनर्बलन प्रदान करती हैं।
- ये विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।
- ये कक्षा में अनुशासन बनाये रखती हैं क्योंकि ये बच्चों में रुचि पैदा करती है।